

तेरी करती रहूँ मैं चाकरी,
वरदान यही मैं चाहूँ,
वरदान यही मैं चाहूँ,
वरदान यही मैं चाहूँ,
वरदान यही मैं चाहूँ,
तेरी करती रहूँ मैं चाकरी,
वरदान यही मैं चाहूँ,
माँ शेरवाली वर देना,
माँ ज्योता वाली वर देना ॥

एक जनम क्या कई जन्मों तक,
तेरी सेवा पाऊँ,
सुन्दर सुन्दर इन हाथों से,
तेरे द्वार सजाऊँ,
मेरी लगती रहें दर हाजरी,
वरदान यही मैं चाहूँ,
तेरी करती रहूँ मैं चाकरी,
वरदान यही मैं चाहूँ ॥

अपनी आँखों के पलकों से,
तेरा अंगना बुहारूँ,
तन मन के फूलों से,
अम्बे मंदिर तेरा सवारूँ,
बस मैं ये चाहूँ तेरी चाकरी,
वरदान यही मैं चाहूँ,

तेरी करती रहूँ मैं चाकरी,
वरदान यही मैं चाहूँ ॥

तेरी करती रहूँ मैं चाकरी,
वरदान यही मैं चाहूँ,
वरदान यही मैं चाहूँ,
वरदान यही मैं चाहूँ,
वरदान यही मैं चाहूँ,
तेरी करती रहूँ मैं चाकरी,
वरदान यही मैं चाहूँ,
माँ शेरवाली वर देना,
माँ ज्योता वाली वर देना ॥

स्वर / संगीत डॉ तापसी नागराज ।

Source:

<https://www.bharattemples.com/teri-karti-rahu-main-chakri-varदान-yahi-main-cha-hu/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>